RECEIVED
19 MAY 2025
ForumIAS ACADEMY

MUKHERJEE NAGAR BRANCH
ForumIAS
CENTER CODE 1903

(Don't Write anything in this Area)

UPPSC MAINS 2024 - CRASH COURSE

Generic Booklet

Test Name/Code/No. : 7712231

Name	ATUL TRIPATHI		
Email ID.			
Roll No.	1910174418		
Mobile No.		Date	15/05/2025

Allotted Time : 90 Minutes

Instructions to Candidates -

- There are 10 Questions in this Question paper.
- All Questions are Compulsory.
- Answers must be attempted in the QCA Booklet only.

Q. No.	Grade/Score
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
Overall Grade/Score	

(Don't Write anything in this Area)

Q.1)

मलिक सरवर द्वारा स्थापित जौनपुर साम्राज्य अपनी राजनीतिक व आर्थिक स्थिरता के कारण, स्थापत्य क्षेत्र में काफी महत्ता रखता है। यहां की वास्तुकला को शर्की शैली कहा जाता है।

शर्की साम्राज्य

वास्तुकला की शर्की शैली की विशेषताएं

① इण्डो-इस्लामिक वास्तुकला का अप्रतिम उदाहरण पेश करती है।

② निर्माण सामग्री-

- लाल बलुआ पत्थर का प्रयोग
  जैसे - लाल दरवाजा
- साथ ही साथ कहीं कहीं संगमरमर का प्रयोग

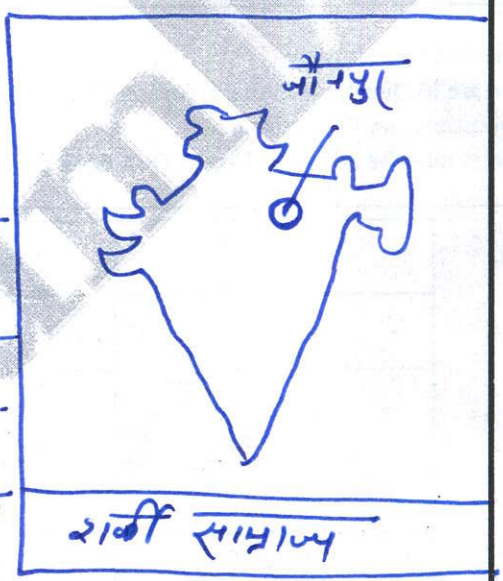

(Don't Write anything in this Area)

(3) इमारतों का भव्य प्रारूप परिलक्षित
जैसे - अटाला मस्जिद

(4) दरवाजों की विशेषताएं -

- भव्य मेहराबों का प्रयोग
यथा - जामा मस्जिद

(5) ढलवा दीवारों का प्रयोग तथा बाहरी दीवारों पर सुंदर चित्रांकन।
यथा - जामा मस्जिद।

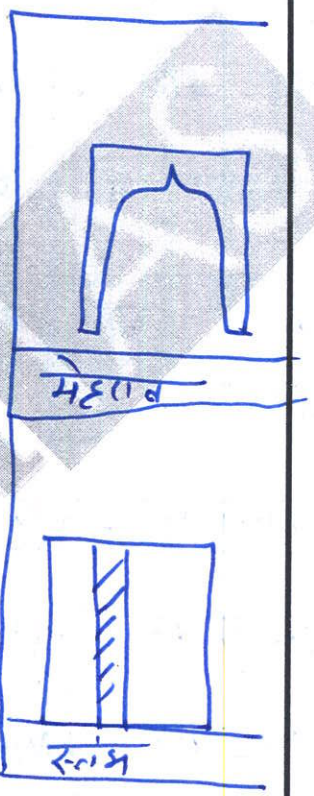

(6) मीनारों का अल्प प्रयोग।

(7) हिंदू वास्तुकला का प्रभाव -

- स्तंभों का बड़ी संख्या में प्रयोग

(8) जटिल नक्काशी - ज्यामितीय पैटर्न व सुलेख द्वारा।

उपर्युक्त विशेषताओं से ही शर्की स्थापत्य को ख्याति प्राप्त हुई। आज भी यह भारतीय विरासत व अर्थव्यवस्था में योगदान देता है।

Overall Grading (√)

Poor			Average			Good		
1	2	3	4	5	6	7	8	9

Q.2)

लगभग 1660 के दशक में वर्तमान महाराष्ट्र के क्षेत्र में एक बेहतर सैन्य-प्रशासन क्षमता वाले राज्य का प्रादुर्भाव, शिवाजी के नेतृत्व में हुआ।

शिवाजी का राज्यक्षेत्र

शिवाजी का शासन प्रबंधन

① प्रशासनिक प्रबंधन-

- सलाहकारी मंत्रिपरिषद (अष्टप्रधान) शिवाजी के शासन की मुख्य विशेषता थी।
- हालांकि शासन निरंकुश ही था।

अष्ट प्रधान —सलाह→ छत्रपति शिवाजी (बाध्य नहीं)

→ पेशवा - प्रधानमंत्री के रूप में

→ अमात्य - वित्त मंत्री

(Don't Write anything in this Area)

- → सुमंत – विदेश मंत्री
- पंडितराव – अनुदान विभाग
- न्यायाधीश – न्याय
- वाकिया नवीस – दैनिक कार्यों की देखरेख
- सचिव – पत्राचार विभाग प्रमुख

② आर्थिक शासन –

- कर राजस्व – 40%. (नकद या उपज)
- चौथ व सरदेशमुखी → आधिपत्य वाले राज्यों से।

③ सैन्य शासन –

- पैदल, घुड़सवार सेना
- घुड़सवार → सिलहदार कहा जाता था
- सैन्य प्रमुख – सर-ए-नौबत कहलाता था।

अपनी सुदृढ़ व सुव्यवस्थित शासन व्यवस्था के कारण शिवाजी ने एक सुदृढ़ मराठा साम्राज्य की नींव रखी।

Overall Grading (√)

Poor			Average			Good		
1	2	3	4	5	6	7	8	9

Q.3)

3 जून 1757 को बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला व ईस्ट इंडिया के मध्य प्लासी का युद्ध हुआ। इसमे नवाब की हार हुई। इस युद्ध को कुछ इतिहासकार विश्वासघात की संज्ञा देते है।

यह बड़ा युद्ध नही विश्वास घात था: कारण

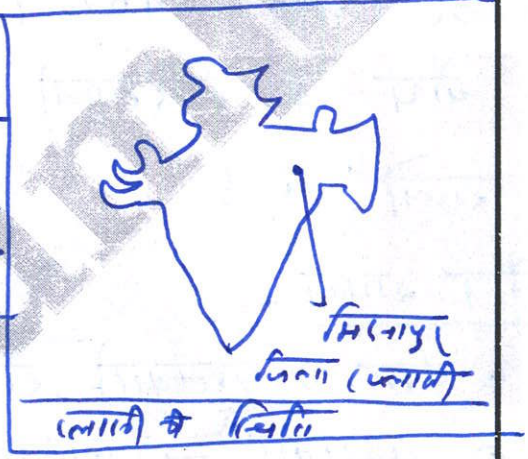

① युद्ध के पूर्व ही बंगाल के गवर्नर क्लाइव द्वारा षड्यंत्र व प्रलोभन के द्वारा बंगाल के प्रमुख प्रतिष्ठित लोगों व सेनापति को अपने साथ मिला लिया।

यथा - मीर जाफर (सेनापति)
अमीचंद आदि।

② इस युद्ध में, बंगाल के नवाब की ओर से आधी से अधिक सेना जो मीर जाफर के नेतृत्व में थी, ने भाग नहीं लिया।

③ अमीचंद व जगतसेठ जैसे लोगों ने नवाब के साथ विश्वासघात किया व अंग्रेजों की ओर ~~जैसे~~ संसाधनों से सहयोग दिया।

④ केवल मीरमदान व मोहनलाल के नेतृत्व में कुछ सैनिकों ने भाग लिया।

अतः स्पष्ट है कि पूर्ण सैन्य भागीदारी, षड्यंत्र व लालच के बल पर क्लाइव को विजय प्राप्त हुई। ~~अ~~ इसलिए प्लासी के युद्ध को युद्ध नहीं कहा जा सकता।

Overall Grading (√)

Poor			Average			Good		
1	2	3	4	5	6	7	8	9

Q.4)

कांग्रेस की स्थापना (1885) से 1905 तक के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कालक्रम को नरमपंथी राजनीति का काल कहा जाता है।

नरमपंथी प्रमुख राजनेता
- दादा भाई नौरोजी
- फिरोज़ शाह मेहता
- गोपाल कृष्ण गोखले
- दिनशा वाचा

नरमपंथी राजनीति की कार्यप्रणाली

① वे ब्रिटिश न्यायप्रियता में विश्वास रखते थे।

② विरोध के लिए 'संवैधानिक तरीकों' का इस्तेमाल, जैसे →
- प्रार्थना
- याचिका
- श्वेतपत्र

③ नरमपंथियों की शिकायत अंग्रेजों के "अनब्रिटिश रुख" से थी तथा वे अंग्रेजों को भारत के भविष्य हेतु चेतावनी देते थे।

④ ब्रिटिश शासन के भीतर अधिकारों व प्रतिनिधित्व की माँग।
यथा - दादाभाई नौरोजी ने प्रतिनिधित्व नहीं तो कर नहीं' नारा पर बल दिया।

⑤ ब्रिटिश जनमत को भारतीय परिस्थितियों से अवगत कराकर, उनका पर प्रभाव डालना।
जैसे - लंदन में कांग्रेस की शाखा खोलना।

⑥ अंग्रेजों की आर्थिक आलोचना (धन की निकासी का सिद्धांत); शक्ति पृथक्करण, नौकरशाही में भारतीय प्रतिनिधित्व की माँग।

स्पष्ट है कि नरमपंथी कार्यक्रम अनुनय की नीति पर अवलंबित था। इसने शुरुआत में राष्ट्रवाद के विकास हेतु आधार प्रदान किया।

Overall Grading (√)

Poor			Average			Good		
1	2	3	4	5	6	7	8	9

Q.5)

लौकिक चेतना, तर्कवाद, मानवता-वाद तथा वैज्ञानिक चिंतन की प्रवृत्ति को पुनर्जागरण कहा जाता है।

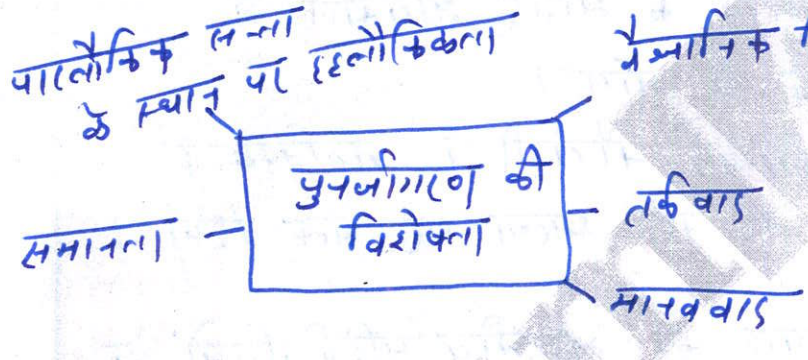

सर्वप्रथम इटली में प्रारंभ होने के कारण

① **ऐतिहासिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि** -

- प्राचीन रोमन साम्राज्य का केंद्र होने के कारण प्राचीन यूनानी व रोमन चिंतन तथा संस्कृति के अवशेष
- कला व साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।

② आर्थिक कारक - वेनिस व जेनेवा जैसे शहर अपनी आर्थिक समृद्धि के चरम पर थे, फलतः विचार, दर्शन साहित्य को महत्व।

③ कुस्तुनतुनिया का पतन - मध्यकाल में कुस्तुनतुनिया के पतन से विचारों का पलायन इटली में → वैचारिक क्रान्ति।

④ मानवतावाद का उदय - प्रोटागोरस के विचारों की स्वीकार्यता

⑤ प्रमुख विचारों का योगदान - यथा - दांते (डिवाइन कामेडी) द्वारा तार्किक चिंतन पर बल

⑥ 15वीं सदी में गुटेनबर्ग द्वारा मुद्रण कला का विकास → वैचारिकी के प्रसार में सहायता। उपर्युक्त परिस्थितियों ने इटली में पुनर्जागरण को संभव बनाया, जिसने पूरा विश्व आलोकित किया।

Overall Grading (√)

Poor			Average			Good		
1	2	3	4	5	6	7	8	9

Q.6)

भारतीय इतिहास में 2700 ईसा पूर्व से 1750 ईसा पूर्व का काल हड़प्पा सभ्यता का काल कहलाता है। उत्कृष्ट शहरी नियोजन इसकी प्रमुख विशेषता है।

हड़प्पा नगरीय नियोजन आधुनिक नगरीय नियोजन हेतु आधार के रूप में

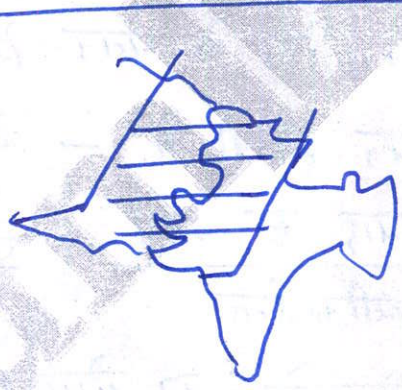

हड़प्पा कालीन भारत

① ग्रिड पैटर्न पर शहरों का निर्माण, जहाँ सड़के एक दूसरे को समकोण पर काटती थी।
यथा - वर्तमान में चण्डीगढ़ का शहरी नियोजन।

② बेहतरीन जल प्रबंधन प्रणाली - ० प्रत्येक घर में कुएँ द्वारा जल उपलब्धता तथा नालियों का प्रयोग → जल जीवन मिशन से समानता

③ उत्कृष्ट अपशिष्ट निपटान प्रणाली - घरों में ढकी हुई नालियाँ, जो बड़े नाले से मिलकर शहर को स्वच्छ रखती थीं। यथा - स्वच्छ भारत मिशन के तहत ड्रेनेज प्रणाली।

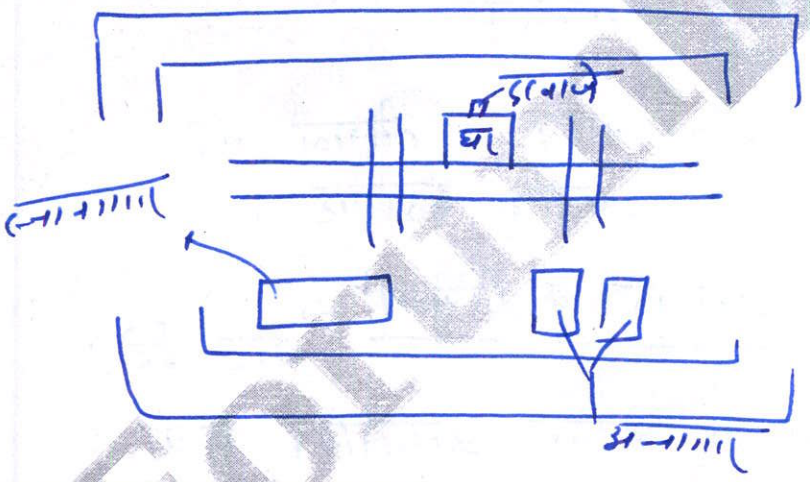

④ प्रत्येक कार्य हेतु जोनों की स्थापना। जैसे वर्तमान में औद्योगिक क्लस्टर

⑤ पड़ोस को अत्यधिक ध्यान - घर के दरवाजे मुख्य मार्ग पर न खुलकर पीछे खुलते हैं।

⑥ **हरित आवरण को बढ़ावा** - साक्ष्यों से वृक्षावरण के साक्ष्य का पता चलता है।
यथा- नगर वन योजना।

⑦ **सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था** -
- यथा- सड़क कनेक्टिविटी
- जलमार्ग - आंतरिक
  - बाह्य → लोथल का ज्वारीय बंदरगाह।

⑧ **मानकीकृत प्रशासन व नियंत्रण** - नाप-तौल के प्रयोग से बेहतर प्रशासनिक ढांचे का पता चलता है।
यथा- वर्तमान का शहरी स्थानीय निकाय
स्पष्ट है कि हड़प्पाई विरासत वर्तमान में भी शहरीकरण को मार्गदर्शन प्रदान कर रही है।

Overall Grading (√)

Poor			Average			Good		
1	2	3	4	5	6	7	8	9

Q.7)

मध्यकालीन भारत में कई वाह्य आक्रमण हुए, जिसमें तत्कालीन भारतीय राजाओं की (राजपूत) की पराजय हुई।

परंतु इसका एकमात्र कारण कमजोर अश्वसेना ही नहीं था।

राजपूतों की हार के कारण

(क) कमजोर अश्वारोही सेना -

* भारतीय राजपूत राजा हाथियों पर युद्ध लड़ा करते थे, जिससे निम्न रूप से पिछड़े गए →

- डर से ही शत्रु द्वारा निशाना लगा पाने हेतु इयपना।

यथा - राणा कुंभा की आँख में युद्ध के दौरान निशाना लगाया गया।

- धीमी गतिशीलता - तुर्क अफगान व मुगलो की सेनाए अश्वारोही होने के कारण गतिशीलता प्रदर्शित करती थी। राजपूत राजाओं में इसका अभाव।

कमजोर अश्वसेना से इतर अन्य कारण

→ तुर्क, अफगानो व मुगलों का युद्ध कौशल विलक्षण था जिससे उन्हे रणनीतिक सफलता मिली। यथा- बाबर की तुलगमा पद्धति।

→ तोपखानो व गोला बारूद का प्रयोग - बाबर ने पानीपत के युद्ध में तोपचियों का खूब प्रयोग किया।

→ बाह्य आक्रमणकारियों ने युद्ध को धार्मिक आयाम देने की कोशिश की।

यथा - बाबर द्वारा शराब की बोतलें तुड़वाना व गाजी की उपाधि धारण करना।

→ भारतीय राजाओं में एकजुटता न होना।

यथा - पानीपत के तृतीय युद्ध में मराठों को साथ देशी शक्तियों ने नहीं दिया।

- पृथ्वीराज तृतीय के लिए जयचंद का साथ न देना।

अतः स्पष्ट है कि राजपूत राजाओं के हार के कई कारण थे। इन घटनाओं ने भारत में मध्यकालीन इस्लामी राज्य का मार्ग प्रशस्त किया।

Overall Grading (√)

Poor			Average			Good		
1	2	3	4	5	6	7	8	9

Q.8)

1793 में बंगाल के गवर्नर जनरल कार्नवालिस ने भू-राजस्व की नवीन व्यवस्था का प्रवर्तन किया, जिसे स्थायी बंदोबस्त कहा जाता है।

स्थायी बंदोबस्त

① भू-राजस्व प्रणाली जिसमें लगान को स्थायी रूप से तय कर दिया गया।

② लगान वसूलने हेतु ठेका दिया गया, जिन्हे जमींदार कहा गया।

लगभग 19% भाग पर स्थायी बंदोबस्त

③ जमीन पर जमींदारों का अधिकार हुआ व अब वे उसको उत्तराधिकार में दे सकते थे। अतः किसान जोतदार मजदूर

हो गए।

④ वसूल किए गए लगान का 10/11 हिस्सा कंपनी को तथा 1/11 हिस्सा जमींदार को मिलता था।

⑤ लगान अब उपज का हिस्सा न होकर भूमि का किराया हो गया।

⑥ लगान न देने पर जमींदार को किसानों को बेदखल करने का अधिकार था।

⑦ क्षेत्र- बंगाल, बिहार, उड़ीसा, बनारस आदि।

ब्रिटिश शासन हेतु

लाभ

① हर वर्ष एक तय राशि से युद्ध, योजनाएं बनाने में आसानी।

② जमींदार के रूप में एक वफादार वर्ग, जो उनकी सत्ता को हेतु सहायक रहे।

यथा- 1857 की क्रांति में जमींदारों का भाग न लेना।

③ प्रतिवर्ष लगान के ठेके देने से मुक्ति।

④ लगान वसूलने में होने वाली प्रशासनिक खर्चा व झंझट से छुटकारा।

हानि

① समय के साथ लगान न बढ़ना

② सूर्यास्त के नियम के तहत जमींदारी की नीलामी जिससे स्थायित्व नहीं रहा।

③ जमींदारी शोषण से कृषक विद्रोहों का सामना।

④ कृषि में निवेश नहीं।

भारतीयों पर प्रभाव

① कृषकीय शोषण प्रारंभ हुआ।

② कृषकों की मजदूरों की तरह हालात।

③ लगान के नकदीकरण से महाजनवाद को बढ़ावा

④ भूमि पर स्वामित्व न होने से भूमि उत्पादकता वृद्धि हेतु प्रयास नहीं।

अतः स्पष्ट है कि स्थायी बंदोबस्त प्रणाली ने कृषकों को अत्यंत ही निम्न स्थिति में पहुँचाया, जिससे वे स्वतंत्रता भूमि सुधारों के बाद ही उबर पाए।

Overall Grading (√)

Poor			Average			Good		
1	2	3	4	5	6	7	8	9

Q.9)

औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध अनेक आवाजे समय के साथ-साथ गुंजती रही। इन्ही आवाजों में आयु, लिंग व धर्म के बंधनों से मुक्त होकर भारतीय महिलाओं की ~~महि~~ आवाजे शामिल थी।

आयु, जाति लिंग व धर्म से मुक्त होकर महिलाओं की अग्रणी भूमिका

① 1857 की क्रांति - प्रथम स्वाधीनता समर में रानी लक्ष्मीबाई (हिंदु), बेगम हजरत महल (मुस्लिम) तथा झलकारी बाई (जनजाति) ने विरोध हेतु नगाड़ा उठायी।

② कांग्रेस को प्रारंभिक चरण - इसमें पंडिता रमाबाई, कादंबिनी गांगुली जैसी नेतृयों ने भाग लिया।

③ सन्यासी आंदोलन के दौरान सरला देवी चौधरानी ने भी अंग्रेजों का प्रतिकार किया।

④ गांधीवादी चरण में महिलाओं की भूमिका —

(i) असहयोग आंदोलन में बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

(ii) एनी बेसेंट ने 1917 में कांग्रेस की अध्यक्षता की।

(iii) सरोजनी नायडू विभिन्न अवज्ञा आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन में प्रमुख भूमिका।

- 1925 कानपुर अधिवेशन में अध्यक्ष।
- धरासना नमक सत्याग्रह में मुख्य भूमिका का निर्वहन।

(3y) ~~अरुणा आसफ अली~~ कृपा मेहता ने भारत छोड़ो आंदो० के समय भूमिगत रेडियो की शुरुआत की।

(v) अरुणा आसफ अली ने भी विरोध में भाग लिया।

(5) क्रांतिकारी चरण –

(i) बीना दास व शांति घोष ने कलेक्टर की गोली मारकर हत्या की।

(ii) प्रीतिलता वाडेकर व कल्पना दत्ता ने चटगाँव शस्त्रागार हमले में सर्मतिन का सहयोग किया।

(6) जनजातीय महिलाएं मणिपुर के रानी गाइदिन्ल्यू व मातंगिनी हजारा ने पुरुषों के साथ - कंधे - से कंधा मिलाकर विद्रोह किया।

अतः स्पष्ट है कि स्त्र महिलाओ ने न केवल 50% आबादी का नेतृत्व किया। बल्कि अंग्रेजी साम्राज्य को नष्ट करने में सहायता की।

Overall Grading (√)

Poor			Average			Good		
1	2	3	4	5	6	7	8	9

Q.10)

जर्मनी के एकीकरण का प्रारंभिक स्वर नेपोलियन की साम्राज्यवादी नीतियों से ही प्रारंभ होता है तथा अंत बिस्मार्क की नीतियों द्वारा।

नेपोलियन ने राष्ट्रीय भावना जागृत की

→ साम्राज्यवादी नीतियों के रूप में प्रशा (जर्मनी) के क्षेत्रों पर कब्जा कर राजनीतिक एकता स्थापित की।

→ महाद्वीपीय व्यवस्था द्वारा आयात पर प्रतिबंध, फलतः स्थानीय व्यवसायों का उदय → इससे आर्थिक राष्ट्रवाद को सफल बनाया।

→ विदेशी शासक (नेपोलियन) द्वारा प्रथा पर कब्जे से स्थानीय जनभावना आहत अतः राष्ट्रवाद का उदय हुआ।

→ नेपोलियन के शासन से फ्रांसिसी क्रांति के स्वतंत्रता, समानता व बंधुत्व के मूल्य को प्रथा में प्रसार।

जर्मन एकता बिस्मार्क द्वारा प्राप्त

→ बिस्मार्क ने अपनी रक्त व लौह की नीति के माध्यम से जर्मनी का एकीकरण किया।

→ प्रथा को चुनौती बनते ही संसद पर दबाव बनाकर सैन्य क्षमता को मजबूत करने हेतु धन प्राप्त किया।

(Don't Write anything in this Area)

→ रक्त व लौह की नीति के तहत युद्धों का सहारा लिया -

(i) डेनमार्क के विरुद्ध युद्ध करके आस्ट्रिया के साथ गेस्टाइन समझौता किया व श्लेसविग प्रांत प्राप्त किया।

(ii) आस्ट्रिया को युद्ध में पराजित कर हालस्टाइन का क्षेत्र प्राप्त किया

(iii) अंततः फ्रांस को युद्ध में पराजित किया तथा समस्त फ्रांसीसी क्षेत्रों (कब्जे वाले) को मिलाकर जर्मनी का निर्माण।

→ इस हेतु उसने कूटनीतियों का सहारा लिया व शत्रु को मित्रविहीन बनाने की चाल चली।

बिस्मार्क ने उपर्युक्त नीति से जर्मनी ~~की~~ एकीकरण के कार्य को संपन्न किया तथा जर्मनी को यूरोप के वृहद शक्ति के रूप में स्थापित की।

Overall Grading (√)

Poor			Average			Good		
1	2	3	4	5	6	7	8	9

150 Hrs Crash course to cover UPPSC Syllabus through 500+ Question & Answer

ForumIAS

UPPSC MAINS 2024 CRASH COURSE

Daily Answer Writing Practice Before Every Class

14 Revision Test After Completion of Every Subject

16 Full Length Test (12 GS + 2 Essay + 2 Hindi) as per UPPSC Pattern

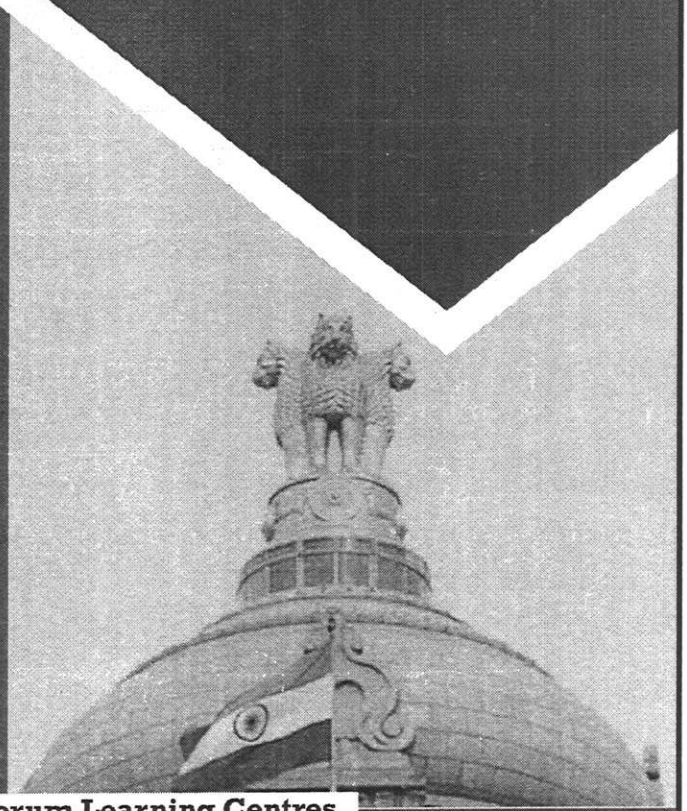

हिंदी

ENGLISH

Forum Learning Centres

• NEW DELHI: 2nd Floor, IAPL House, 19, Pusa Road, Opp. Metro Pillar 95-96, Karol Bagh - 110005

• MUKHERJEE NAGAR: Ground Floor, 856, Banda Bahadur Marg, Near Batra Cinema, Delhi - 110009 9311740941

admissions@forumias.academy | https://academy.forumias.com 9311740400